प्रारंभिक परीक्षा

राइबोसिक्लिब (RIBOCICLIB)

संदर्भ

केरल हाई कोर्ट ने हाल ही में ब्रेस्ट कैंसर की एक मरीज़ को 'राईबोसिक्लिब' (Ribociclib) की ज़्यादा कीमत से जुड़े मामले में पक्षकार बनने की अनुमति दी है; यह दवा ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में जीवन बचाने वाली दवा है।

राइबोसिक्लिब के बारे में

- **प्रकृति:** एक कैंसर-रोधी दवा जिसका उपयोग हार्मोन थेरेपी के साथ कुछ प्रकार के ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है।
- **औषधि वर्ग (Drug Class):** CDK4/6 अवरोधकों (inhibitors) से संबंधित है, जो कोशिका वृद्धि और विभाजन में शामिल एंजाइमों को अवरुद्ध करते हैं।
- **उपयोग:** स्थानीय रूप से उन्नत (locally advanced), उन्नत और मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर में उपयोग किया जाता है।
- **संयोजन चिकित्सा (Combination Therapy):** इसे आम तौर पर अकेले उपयोग करने के बजाय हार्मोनल थेरेपी के साथ दिया जाता है।

पेरियार कुल्लन (PERIYAR KULLAN)

संदर्भ

ICAR-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR-NBAGR) ने वेचुर (Vechur) के बाद पेरियार कुल्लन को केरल की दूसरी स्वदेशी मवेशी (cattle) नस्ल के रूप में मान्यता दी है।

पेरियार कुल्लन के बारे में

- **वितरण:** मुख्य रूप से मध्य केरल में पाई जाती है।
- **प्रबंधन प्रणाली:** अर्ध-जंगली (semi-feral) और सिल्वोपास्टोरल (silvopastoral - वन-चरागाह) स्थितियों के अनुकूल है, जो अक्सर बागानों और वन-सीमांत क्षेत्रों में चरती है।
- **स्वरूप (दिखावट):** आमतौर पर इसका आवरण (रंग) गहरा-भूरा होता है और इसकी आदत घूम-घूम कर चरने की होती है।
- **सींग:** कुछ जानवरों के सींग कानों के चारों ओर नीचे की ओर मुड़े होते हैं, जो एक विशिष्ट विशेषता है जिसके लिए आगे के अध्ययन की आवश्यकता है।

इंडियन स्टार कछुआ(INDIAN STAR TORTOISE)

संदर्भ

मुंबई और ठाणे से बचाए गए 216 इंडियन स्टार कछुओं को हाल ही में ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) में पुनर्वासित किया गया था।

इंडियन स्टार कछुआ के बारे में

- **आवास:** मुख्य रूप से शुष्क क्षेत्रों और झाड़ीदार (scrub) जंगलों में पाया जाता है।
- **वितरण:** पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी भारत तथा श्रीलंका सहित भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ हिस्सों का मूल निवासी (देशज) है।
- **तारा पैटर्न (Star Pattern):** इसके खोल (shell) पर तारे जैसे पैटर्न के लिए इसका नाम रखा गया है, जो इसके शरीर की रूपरेखा को तोड़ने और छलावरण (camouflage) प्रदान करने में मदद करते हैं।
- **आकार:** लगभग 10 इंच तक बढ़ सकता है; मादाएं आम तौर पर नर से बड़ी होती हैं।
- **गतिविधि:** मुख्य रूप से गोधूलिचर (crepuscular) होते हैं, जो सुबह-सुबह और देर दोपहर के दौरान सक्रिय होते हैं।
- **व्यवहार:** आम तौर पर एकांतप्रिय (solitary) होता है और शीतनिद्रा (hibernate) में नहीं जाता है; अत्यधिक गर्मी, सूखे या ठंड के दौरान निष्क्रिय रह सकता है।
- **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN रेड लिस्ट:** सुभेद्य (Vulnerable)।
    - **WPA (वन्यजीव संरक्षण अधिनियम):** अनुसूची I।

नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व

संदर्भ

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन पश्चिमी घाट के नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व में वन पारिस्थितिक तंत्र को अस्थिर कर रहा है।

नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व के बारे में

- **अवस्थिति:** तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में पश्चिमी घाट के नीलगिरी पहाड़ों तक फैला है।
- **स्थापना:** 1986 में भारत के पहले बायोस्फीयर रिजर्व के रूप में स्थापित।
- **यूनेस्को स्थिति:** यूनेस्को के 'मैन एंड द बायोस्फीयर' (MAB) कार्यक्रम के तहत भारत का पहला बायोस्फीयर रिजर्व।
- **संरक्षित क्षेत्र:** मुदुमलाई, वायनाड, बांदीपुर, नागरहोल, मुकुर्थी और साइलेंट वैली संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं।

- **वनस्पति:** उष्णकटिबंधीय सदाबहार, अर्ध-सदाबहार, नम और शुष्क पर्णपाती वन, मोंटेन शोला (montane sholas), घास के मैदान और कंटीले वन शामिल हैं।
- **जीव-जंतु (Fauna):** नीलगिरी तहर, शेर जैसी पूंछ वाले मकाक, हाथी, बाघ, गौर, सांभर और चीतल को आश्रय देता है।
- **जनजातीय समुदाय:** टोडा, कोटा, इरुला, कुरुम्बा, पनिया और चोलनाइकन सहित स्वदेशी (मूल) समुदायों का घर है।

स्म्यू (SMEW)

संदर्भ

एक दुर्लभ प्रवासी जलपक्षी, स्म्यू (Smew) को पहली बार असम के लाओखोवा (Laokhowa) वन्यजीव अभयारण्य में दर्ज किया गया था।

स्म्यू के बारे में

- **वर्गीकरण:** एनाटिडे (Anatidae) परिवार से संबंधित मध्यम आकार की बत्तख।
- **प्रजनन क्षेत्र:** मुख्य रूप से यूरोप और एशिया के उत्तरी टैगा में प्रजनन करता है।
- **सर्दियों का क्षेत्र:** बाल्टिक और काला सागर, कैस्पियन सागर, पूर्वी एशिया और जापान के आसपास सर्दियां बिताता है; भारतीय उपमहाद्वीप में यह कभी-कभार आने वाला आगंतुक है।
- **आवास:** मीठे पानी की झीलों, जलाशयों, बाढ़ वाले जंगलों, बर्फ-मुक्त नदियों, मुहानों (estuaries), लैगून और आश्रय वाले तटीय जल में पाया जाता है।
- **चोंच (Bill):** दांत जैसे किनारों वाली संकीर्ण, मुड़ी हुई चोंच, जो मछली पकड़ने के अनुकूल होती है।
- **यौन द्विरूपता (Sexual Dimorphism):** नर मुख्य रूप से सफेद होता है जिसमें काले रंग का मुखौटा (मास्क) और पीठ होती है; मादा भूरे रंग की होती है जिसका सिर लाल-भूरे रंग का और गाल सफेद होते हैं।
- **आहार:** एक गोता लगाने वाली (डाइविंग) बत्तख जो पानी के नीचे शिकार (मुख्य रूप से मछली) का पीछा करती है।
- **संरक्षण स्थिति:** IUCN रेड लिस्ट: कम चिंताजनक (Least Concern)।

लाओखोवा (Laokhowa) वन्यजीव अभयारण्य

- **अवस्थिति:** ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट पर, असम के नागांव जिले में स्थित है।
- **परिदृश्य:** लाओखोवा-बुराचापोरी पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा और काजीरंगा टाइगर रिजर्व का बफर (buffer) क्षेत्र है।
- **वनस्पति:** जलोढ़ (alluvial) घास के मैदान, जलोढ़ वन, नम पर्णपाती और उष्णकटिबंधीय अर्ध-सदाबहार वन शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** एक सींग वाले गैंडे, हाथी, बाघ, एशियाई जंगली भैंसे और पक्षियों की 225 से अधिक प्रजातियों का समर्थन करता है।

पुनर्योजी कृषि (REGENERATIVE AGRICULTURE)

संदर्भ

मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य, पानी के तनाव और जलवायु परिवर्तनशीलता के बीच भारत में पुनर्योजी कृषि (Regenerative agriculture) नीतिगत ध्यान आकर्षित कर रही है।

पुनर्योजी कृषि के बारे में

- **प्रकृति:** एक कृषि दृष्टिकोण जो केवल मौजूदा स्थितियों को बनाए रखने के बजाय मिट्टी के स्वास्थ्य, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बहाल करने पर केंद्रित है।
- **उद्देश्य:** दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता का समर्थन करते हुए मिट्टी की उर्वरता, जल प्रतिधारण (water retention), जैव विविधता और जलवायु लचीलेपन में सुधार करना।

यह कैसे काम करता है?

- **बायो-इनपुट्स (जैविक आदान):** मिट्टी की सूक्ष्मजीव गतिविधि और प्राकृतिक कीट प्रबंधन का समर्थन करने के लिए बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत और नीमास्त्र जैसे खेत-आधारित इनपुट का उपयोग करता है।
- **मृदा आवरण (Soil Cover):** कटाव को कम करने, नमी बनाए रखने और कार्बनिक पदार्थ जोड़ने के लिए आवरण फसलों (cover crops), मल्चिंग (mulching) और हरी खाद का उपयोग करता है।
- **कृषि विविधीकरण:** आय में विविधता लाने और फसल-विफलता के जोखिमों को कम करने के लिए फसलों, पशुधन, कृषि वानिकी, बागवानी, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन (apiculture) को एकीकृत करता है।
- **जल प्रबंधन:** जल-उपयोग दक्षता में सुधार करने और अपवाह (runoff) को कम करने के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देता है।

प्रमुख सिद्धांत

- **न्यूनतम मृदा अशांति (Minimal Soil Disturbance):** मिट्टी की संरचना और सूक्ष्मजीव जीवन को संरक्षित करने के लिए अत्यधिक जुताई (tillage) को सीमित करता है।
- **वर्ष भर मृदा आवरण:** मिट्टी को कटाव और नमी के नुकसान से बचाने के लिए निरंतर वनस्पति या मल्च बनाए रखता है।
- **फसल-पशुधन एकीकरण:** मिट्टी के पोषक तत्वों के प्राकृतिक स्रोतों के रूप में पशुधन की खाद और बायोमास का उपयोग करता है।
- **कम रासायनिक निर्भरता:** जैविक और प्राकृतिक विकल्पों के माध्यम से सिंथेटिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता को कम करता है।

अभ्यास उदारा शक्ति 2026 (EXERCISE UDARA SHAKTI 2026)

संदर्भ

भारतीय वायु सेना (IAF) ने ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास पिच ब्लैक 2026 (Exercise Pitch Black 2026) में तैनाती के बाद मलेशिया में अभ्यास उदारा शक्ति 2026 में अपनी भागीदारी का समापन किया।

अभ्यास उदारा शक्ति के बारे में

- **प्रकृति:** भारतीय वायु सेना (IAF) और रॉयल मलेशियन वायु सेना (RMAF) के बीच द्विवार्षिक द्विपक्षीय हवाई-युद्ध अभ्यास।
- **उद्देश्य:** रक्षा सहयोग, सामरिक अंतःक्रियाशीलता (interoperability) और संयुक्त हवाई-युद्ध क्षमताओं को मजबूत करना।
- **असमान वायु युद्ध प्रशिक्षण (Dissimilar Air Combat Training):** IAF के राफेल लड़ाकू विमानों ने मलेशियाई Su-30MKM और F/A-18D हॉर्नेट विमानों के खिलाफ प्रशिक्षण लिया, जिससे विभिन्न प्लेटफार्मों के खिलाफ युद्ध का अनुभव प्राप्त हुआ।

राष्ट्रव्यापी क्लाउड और AI कौशल (SKILLING) पहल

संदर्भ

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) और कल्टस एजुकेशन (Cultus Education) ने अमेज़न वेब सर्विसेज (AWS) के समर्थन से एक राष्ट्रव्यापी क्लाउड और AI कौशल पहल शुरू की है।

राष्ट्रव्यापी क्लाउड और एआई कौशल पहल के बारे में

- **प्रकृति:** विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों के युवाओं के बीच क्लाउड और एआई कौशल के निर्माण पर केंद्रित पूरी तरह से ऑनलाइन कौशल कार्यक्रम।
- **नोडल एजेंसी:** कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के तहत NSDC, जिसमें AWS प्रौद्योगिकी भागीदार है।
- **उद्देश्य:** उद्योग-प्रासंगिक कौशल, प्रमाणन और प्रौद्योगिकी-क्षेत्र में रोजगार तक पहुंच प्रदान करना।
- **बुनियादी प्रशिक्षण:** 1.5 लाख शिक्षार्थी AWS डिजिटल सामग्री के माध्यम से क्लाउड अवधारणाओं और AI बुनियादी सिद्धांतों में स्व-गति (self-paced) से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
- **उन्नत प्रशिक्षण:** 10,000 चयनित शिक्षार्थी मुफ्त, प्रशिक्षक-नेतृत्व वाले AWS री/स्टार्ट (re/Start) प्रशिक्षण से गुजरेंगे।
- **पाठ्यक्रम:** लिनक्स (Linux), क्लाउड आर्किटेक्चर, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा, पायथन (Python), डेटाबेस और AI के बुनियादी सिद्धांतों को कवर करता है।
- **व्यावहारिक शिक्षा:** इसमें परिदृश्य-आधारित (scenario-based) लैब, कैपस्टोन प्रोजेक्ट और मेंटरशिप शामिल हैं।
- **प्रमाणन और नौकरियां:** AWS प्रमाणन का समर्थन करता है, जिसके बाद एक राष्ट्रीय हैकाथॉन और नियोक्ता (employer) साक्षात्कार के अवसर मिलते हैं।

मुख्य परीक्षा

हाथ से मैला ढोना (मैनुअल स्कैवेंजिंग)

संदर्भ

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने नमस्ते (NAMASTE) योजना को शहरी क्षेत्रों से परे ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित करने का प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावित विस्तार के तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) और फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP) में नाला साफ करने वाले और काम करने वाले कर्मचारियों को भी योजना के दायरे में लाया जाएगा, जिससे चिह्नित (identified) मैनुअल स्कैवेंजर्स से हटकर खतरनाक स्वच्छता गतिविधियों में लगे श्रमिकों के एक व्यापक समूह पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

भारत में कानूनी रोक के बावजूद मैला ढोने की प्रथा के बने रहने का क्या कारण है?

- **जाति-आधारित पेशा:** जातिगत भेदभाव अन्य नौकरियों तक पहुंच को प्रतिबंधित कर सकता है और विशेष समुदायों को पीढ़ियों से स्वच्छता कार्य की ओर धकेल सकता है।
- **कमजोर प्रवर्तन (Enforcement):** कानून इस प्रथा को समाप्त नहीं कर सकता जब स्थानीय अधिकारी उल्लंघनों की पहचान करने, स्वच्छता कार्य की निगरानी करने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहते हैं।
    - उदा.: सरकार ने जनवरी 2023 से जून 2026 के बीच खतरनाक सीवर और सेप्टिक-टैंक सफाई के लिए 123 एफआईआर (FIR) दर्ज होने की सूचना दी। ऐसे मामलों का लगातार दर्ज होना दर्शाता है कि 2013 के कानून के बावजूद निषिद्ध खतरनाक सफाई अभी भी होती है।
- **संविदात्मक प्रसार (Contractual Diffusion):** स्वच्छता कार्य की आउटसोर्सिंग से यह अस्पष्ट हो सकता है कि असुरक्षित प्रथाओं के लिए कौन जिम्मेदार है, जिससे नगर पालिकाओं और ठेकेदारों को एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालने की अनुमति मिल जाती है।
- **विभिन्न परिभाषाएँ:** मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सीवर/सेप्टिक-टैंक की सफाई अलग-अलग कानूनी श्रेणियां हैं, इसलिए केवल एक पर ध्यान केंद्रित करने से व्यापक स्वच्छता-सुरक्षा समस्या कम आंकी जा सकती है।
    - उदा.: 2024-25 के सर्वेक्षण में शून्य मैनुअल स्कैवेंजर पाए गए, जबकि NAMASTE (नमस्ते) ने अलग से 89,915 सीवर और सेप्टिक-टैंक श्रमिकों को मान्य किया। ये दोनों आंकड़े अलग-अलग श्रेणियों को मापते हैं और इसलिए इन्हें इस बात के सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता है कि सभी खतरनाक स्वच्छता कार्य गायब हो गए हैं।
- **स्वच्छता-अवसंरचना घाटा:** खराब तरीके से डिज़ाइन किए गए या खराब रखरखाव वाले स्वच्छता प्रणालियाँ ऐसी स्थितियाँ पैदा करती रह सकती हैं जहाँ श्रमिकों को कानूनी प्रतिबंध के बावजूद खतरनाक कार्य करने के लिए कहा जाता है।

भारत में खतरनाक स्वच्छता कार्यों को समाप्त करने में मशीनीकरण की क्या सीमाएँ हैं?

- **मशीनों की सीमित उपलब्धता:** मशीनीकरण खतरनाक काम को वहां समाप्त नहीं कर सकता जहां उपयुक्त मशीनें आवश्यक स्थान और पैमाने पर उपलब्ध नहीं हैं।

- **खराब अवसंरचना:** मशीनें वहां कम प्रभावी होती हैं जहां स्थानीय सीवर और सेप्टिक अवसंरचना को मशीनीकृत सफाई के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है या वे सुलभ नहीं हैं।
- **कौशल की कमी:** मशीनों के लिए प्रशिक्षित श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो उन्हें सुरक्षित रूप से संचालित कर सकें; केवल उपकरण अपने आप में व्यावसायिक जोखिम को समाप्त नहीं करते हैं।
- **खराब रखरखाव:** यदि उपकरणों का रखरखाव नहीं किया जाता है और स्वच्छता कार्यों को लगातार समर्थन नहीं दिया जाता है तो मशीनीकरण प्रभावी नहीं रह सकता है।
- **कमजोर स्थानीय क्षमता:** जब स्थानीय अधिकारी स्वच्छता कार्यों को ठीक से व्यवस्थित और विनियमित करने में विफल रहते हैं, तो मशीनीकरण खतरनाक काम को नहीं रोकता है।

भारत में स्वच्छता कार्यों के अंतर-पीढ़ीगत चक्र को लगातार तोड़ने में पुनर्वास क्यों विफल रहा है?

- **कम वैकल्पिक आय:** श्रमिक स्वच्छता कार्यों में वापस लौट सकते हैं जब वैकल्पिक नौकरियां परिवार का भरण-पोषण करने के लिए स्थिर और पर्याप्त आय प्रदान नहीं करती हैं।
- **बिना नौकरी के कौशल:** केवल प्रशिक्षण श्रमिकों को स्वच्छता कार्य छोड़ने में मदद नहीं करता है जब तक कि यह वास्तविक नौकरी या व्यवहार्य (viable) व्यवसाय की ओर न ले जाए।
    - उदा.: 2023-24 और 2025-26 के बीच, 5,632 मैनुअल स्कैवेंजर्स और उनके आश्रितों ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया, लेकिन वैकल्पिक स्वरोजगार के लिए केवल 483 को पूंजीगत सब्सिडी (capital subsidy) मिली, जो दर्शाता है कि प्रशिक्षण स्वतः ही आजीविका के अवसरों में तब्दील नहीं होता है।
- **सीमित बाजार पहुंच:** नया व्यवसाय शुरू करना तब मुश्किल होता है जब श्रमिकों के पास ग्राहकों, ऋण और स्थानीय व्यापार नेटवर्क की कमी होती है।
    - उदा.: नमस्ते (NAMASTE) पूंजी सहायता के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों और उद्यमिता का समर्थन करता है, यह दर्शाता है कि वैकल्पिक व्यवसायों को टिकाऊ बनाने के लिए केवल वित्तीय सहायता पर्याप्त नहीं हो सकती है।
- **जातिगत भेदभाव:** जातिगत कलंक (stigma) पुनर्वासित श्रमिकों के लिए अन्य व्यवसायों में प्रवेश करना और समाज में स्वीकार किया जाना मुश्किल बना सकता है।
- **परिवार-स्तरीय गरीबी:** यदि पूरा परिवार आर्थिक रूप से कमजोर रहता है, तो एक श्रमिक का पुनर्वास चक्र को नहीं तोड़ सकता है।
    - उदा.: NAMASTE आश्रितों को कौशल और आजीविका सहायता प्रदान करता है, यह दर्शाता है कि पुनर्वास को केवल पहचाने गए श्रमिक के बजाय पूरे परिवार को कवर करना चाहिए।
- **खंडित सहायता:** पुनर्वास तब कमजोर हो जाता है जब नकद, कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और आजीविका सहायता यह सुनिश्चित किए बिना अलग-अलग दी जाती है कि कर्मचारी वास्तव में एक स्थिर वैकल्पिक व्यवसाय में चला गया है।

- उदा.: NAMASTE प्रोफाइलिंग, स्वास्थ्य बीमा, कौशल प्रशिक्षण, पूंजीगत सब्सिडी और उद्यमिता समर्थन को जोड़ता है, जो अलग-थलग लाभों के बजाय एक पूर्ण पुनर्वास मार्ग (rehabilitation pathway) की आवश्यकता को दर्शाता है।

आगे की राह

- **वास्तविक उन्मूलन को मापना:** सफलता के अंतिम संकेतकों के रूप में शून्य खतरनाक मानवीय प्रवेश और शून्य स्वच्छता मौतों का उपयोग करें, न कि केवल पहचाने गए मैनुअल स्कैवेंजर्स की संख्या पर निर्भर रहें।
- **मशीनीकरण का विस्तार:** शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को उपयुक्त मशीनें, प्रशिक्षित ऑपरेटर, रखरखाव सहायता और आपातकालीन प्रतिक्रिया स्वच्छता इकाइयां (Emergency Response Sanitation Units) प्रदान करें।
- **सार्वजनिक जवाबदेही तय करना:** स्वच्छता कार्य आउटसोर्स किए जाने पर भी जिम्मेदार नगर पालिका या सार्वजनिक प्राधिकरण को जवाबदेह रखें।
- **अवसंरचना का उन्नयन (Upgrade):** सीवर प्रणालियों, सेप्टिक-टैंक डिजाइन और फेकल-स्लज प्रबंधन में सुधार करें ताकि खतरनाक मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता न हो।
- **कौशल को आजीविका से जोड़ना:** उत्पादक संपत्तियों, रोजगार और बाजार समर्थन के साथ प्रशिक्षण को मिलाएं, और यह ट्रैक करें कि क्या लाभार्थी निरंतर व्यावसायिक निकास (निकलने) को प्राप्त करते हैं।
- **जाति-पेशा लिंक (संबंध) को तोड़ना:** शिक्षा, भेदभाव-विरोधी उपायों और मुख्यधारा के रोजगार तक पहुंच के साथ पुनर्वास को मिलाएं।
- **डेटा को एकीकृत करना:** मैनुअल स्कैवेंजर्स, सीवर/सेप्टिक-टैंक श्रमिकों, खतरनाक सफाई की घटनाओं और मौतों पर अलग लेकिन जुड़े हुए डेटा बनाए रखें।
- **मौतों को शासन की विफलताओं के रूप में लेना:** सीवर से होने वाली मौतों, जिन्हें रोका जा सकता था, के बाद मुआवजा, जवाबदेही और सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।
    - उदा.: सर्वोच्च न्यायालय ने सीवर से होने वाली मौतों के लिए ₹30 लाख का मुआवजा तय किया और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का निर्देश दिया, जिसमें रोजगार, शिक्षा और कौशल समर्थन शामिल है।